

साँवरियो आवेलो

आँख फडूखे, बोले कागलियो,
म्हारो हर्षे छे हिवड़ो आज,
साँवरियो आवेलो,
म्हारों हर्षे छे हिवड़ो आज,
साँवरियो आवेलो।
आँख फडूखे, बोले कागलियो।

मनड़े रो मीत,
मिलन म्हासूं आवे,
मन हर्षे, नैणा नीर बहावे,
मैं तो घणों ही करुला मनुहार,
साँवरियो आवेलो,
आँख फडूखे, बोले कागलियो।

भोलो सो पंछी हूँ,
नैम ना जाणूं,
पूजा विधि कोई मन्त्र,
ना जाणूं,
मैं तो जानूं जानूं,
बस थारो नाम,
साँवरियो आवेलो,
आँख फडूखे, बोले कागलियो।

मिल स्यां बाबाजी थासूं,
बातां करा ला,
मिल स्यां बाबाजी थासूं,
बातां करा ला,
मनड़े री सारी,
म्हे आज कहवा ला,
थासूं मिलण रो,
मनड़े में चाव,
साँवरियो आवेलो,
आँख फडूखे, बोले कागलियो।

गुण अवगुण म्हारा,
ध्यान ना दीज्यो,
दृष्टि दया की बाबा,
म्हारे पे कीज्यो,
म्हाने थारो ही है,
इक आधार,
साँवरियो आवेलो,
आँख फडूखे, बोले कागलियो।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23730/title/sanwariyo-aavelo>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |